भा.कृ.अनु.प.–भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान
ICAR-Indian Institute of Soybean Research
खण्डवा रोड, इन्दौर–452001
Khandwa Road, Indore-452001

फाइल नं. **F.No. :** टेक **10-6/2019** दिनांक **Date: 03.09.2019**

सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / **Advisory for Soybean Farmers**

(3 से 8 सितम्बर 2019 / **3 to 8 September 2019)**

1. वर्तमान में सोयाबीन फसल पर चने की इल्ली के साथ सेमीलूपर की दूसरी पीढ़ी की इल्लियों का प्रकोप देखने में आ रहा है। इनके नियंत्रण हेतु क्वीनॉलफॉस 25 ईसी (1500 मि.ली./है.) अथवा इन्डोक्साकार्ब 14.5 एससी (300 मि.ली./है.) अथवा फ्लूबेन्डीयामाईड 39.35 एससी (150 मि.ली./है.) अथवा फ्लूबेन्डीयामाईड 20 डब्ल्यूजी (250 से 300 मि.ली./है.) अथवा स्पायनोटेरम 11.7 एससी (450 मि.ली./है.) अथवा क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी. (150 मि.ली./है.) का 500 लीटर पानी/है. के साथ छिड़काव करें।
2. कुछ क्षेत्रों में सोयाबीन की फसल में पत्ती खाने वाली इल्लियों के साथ–साथ सफेद मक्खी का भी प्रकोप देखा गया है। इनके नियंत्रण हेतु पूर्व मिश्रित कीटनाशक बीटासायफ्लूथ्रीन + इमिडाक्लोप्रीड 350 मि.ली/है. अथवा थायमिथॉक्सम + लेम्बडा सायहेलोथ्रीन 125 मि.ली/है. की दर से छिड़काव करने की सलाह है जिससे तना मक्खी का भी नियंत्रण होगा।
3. कुछ क्षेत्रों में सोयाबीन की फसल में माइरोथिसियम लीफ स्पॉट, एन्थ्रेकनोज, एरियल ब्लाईट एवं चारकोल रॉट बीमारी का प्रकोप देखा गया है। इसके नियंत्रण हेतु कृषकों को सलाह है कि फसल पर टेबूकोनाझोल 625 मि.ली./हे. अथवा टेबूकोनाझोल + सल्फर 1 कि.ग्रा./हे अथवा हेक्झाकोनाझोल 500 मि.ली./हे अथवा पायरोक्लोस्ट्रोबिन 500 ग्रा./हे. को 500 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
4. गर्डल बीटल के नियंत्रण हेतु थाइक्लोप्रीड 21.7 एस.सी. 650 मि.ली./है. अथवा प्रोफेनोफॉस 50 ईसी (1.25 ली/है.) या ट्रायझोफॉस 40 ई.सी. (800 मि.ली./है.) की दर से छिड़काव करें।
5. पीला मोजाइक बीमारी को फैलाने वाली सफेद मक्खी के प्रबंधन के लिए खेत में यलो स्टीकी ट्रैप का प्रयोग करें जिससे मक्खी के वयस्क नष्ट किये जा सके। साथ ही पीला मोजाइक रोग से ग्रसित पौधों/अवशेषों को खेत से निकालकर नष्ट कर दें। रोग की तीव्रता अधिक होने पर थायोमिथाक्सम 25 डब्ल्यूजी (100 ग्रा./500 लीटर पानी) का छिड़काव करें।
6. बीज उत्पादन के लिए उगाई जाने वाली सोयाबीन की फसल में पत्तियों, फूल का रंग एवं रोएं के रंग के आधार पर अन्य किस्मों के पौधों को निकाल दें जिससे बीज की शुद्धता बनी रहें।
7. लगातार होने वाली वर्षा के कारण जलभराव की स्थिति होने पर अतिरिक्त पानी के निकास हेतु नालियों की व्यवस्था करें।

1. Currently, soybean crop is being infested with Gram Pod Borer and second generation of Semiloopers. For their management spray the crop with Quinalphos 25 EC @ 1.5 lit/ha, Indoxacarb 14.5 SC @ 300 ml/ha, Fluebendiamide 39.35 SC @ 150 ml/ha or Fluebendiamide 20 WG @ 250-300 ml/ha or Spinetoram 11.7 SC @ 450 ml/ha or Chlorantraniliprol 18.5 SC @ 150 ml/ha with 500 liter of water.
2. For management of defoliators and white fly spray pre-mixed insecticides like Betacyfluthrin +Imidacloprid @ 350 ml/ha or Thimethoxam + Lembda cyhelothrin @ 125 ml/ha. This will also help in control of stem fly.

....2,

3. In case of soybean infested with Myrothecium leaf spot, Anthracnose, Aerial Blight and Charcoal rot, it is advised to spray the crop with Tebuconazole @ 625 ml/ha or Tebuconazole + Sulphur 1 kg/ha or Hexaconazole @ 500 ml/ha or Pyroclostrobin @ 500 g/ha with the use of 500 litre of water.
4. For management of Girdle beetle, spray the crop with Thicloprid 21.7 SC @ 650 ml/ha, Profenophos 50 EC @ 1.25 lit/ha or Triazophos 40 EC @ 800 ml/ha.
5. For management of White fly adults (vector for YMV) it is advised to install Yellow Sticky Traps in the soybean fields as well as destruction of affected plants/part. In case of severity, farmers are also advised to spray the crop with Thiamethoxam 25WG @ 100 g/500 litre water/ha immediately after the symptoms are visible.
6. For maintaining the purity of seed, farmers are advised to remove the mixed plants based on flower colour, leaf shape and pubescence in seed production programme.
7. It is advised to make drainage of excess rainwater due to continuous rains in order to avoid water logging situation.